1998 December

Thursday 10 Friday 11 Saturday 12

9 a.m.

अश्क अल्फ़ाज़ में नहीं ढलते
रो न पाए तो शायरी होगी!

10 a.m.

मैंने सुना है कि आपको हैं मुझसे बदगुमानियाँ बहुत
झूठ तो ये है नहीं, सच भी न हो खुदा करे!

11 a.m.

अब खुशी है न कोई दर्द रुलाने वाला
हमने अपना लिया हर रंग ज़माने वाला!

12 p.m.

सुबह होती है, शाम होती है
ज़िन्दगी यूँ ही तमाम होती है!

1 p.m.

2 p.m.

(बशीर बद्र)
परखना मत, परखने से कोई अपना नहीं रहता
किसी भी आईने में देर तक, चेहरा नहीं रहता
बड़े लोगों से मिलने में, हमेशा फ़ासला रखना
जहाँ दरिया समन्दर में मिला, दरिया नहीं रहता।

3 p.m.

4 p.m.

5 p.m.

इस तरह साथ निभना है दुश्वार-सा
मैं भी तलवार-सा, तू भी तलवार-सा।

6 p.m.

Sunday 13

Work to be done

दुश्मनी का सफ़र, इक कदम दो कदम
तुम भी थक जाओगे, हम भी थक जाएँगे।

वो फरिश्ते आप तलाश करिए कहानियों की किताब में
जो बुरा कहें न बुरा सुनें, कोई शख्स जिसमें खफ़ा न हो।

हम से मजबूर का गुस्सा भी अजब बादल है
अपने ही दिल से उठे, अपने ही दिल पर बरसे।

NOVEMBER 1998

S	M	T	W	T	F	S
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	•	•	•	•	•

JANUARY 1999

S	M	T	W	T	F	S
31	•	•	•	•	1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30